

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME  
(BDP PHILOSOPHY)**

01245

**Term-End Examination**

**June, 2014**

**ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY**

**BPY-007 : ETHICS**

*Time : 3 hours*

*Maximum Marks : 100*

**Note :**

- (i) *Answer all five questions.*
- (ii) *All questions carry equal marks.*
- (iii) *Answers to questions no. 1 and 2 should be in about 400 words each.*

- 
1. Examine the theories of determinism and indeterminism in the context of human action. 20

**OR**

Elaborate the meaning of virtue. Explain Aristotle's conception of virtue. 20

2. Explain in detail the ethical views of Jainism. 20

**OR**

Define Meta-Ethics. What is the meaning of Naturalistic fallacy as explained by G.E. Moore? 20

- 3.** Answer any *two* of the following in about 200 words each :
- (a) Define Ethics. What are its different divisions ? 10
  - (b) What is the ethical significance of “ought implies can” ? What is Augustine’s reaction to this view ? 10
  - (c) How did Vedic philosophy depict Ethics ? 10
  - (d) Bring out the concept of Dharma in Ramayana and Mahabharata. 10
- 4.** Answer any *four* of the following in about 150 words each :
- (a) Is the study of Ethics important in today’s world ? 5
  - (b) What does Kant mean by the ‘Categorical Imperative’ as the principle of morality ? 5
  - (c) What are the Ethical views of Pythagoras ? 5
  - (d) Explain the principle of utility. 5
  - (e) Discuss briefly the Ethical teachings of Dayananda Saraswati. 5
  - (f) What is violence ? Mention the different kinds of violence. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about 100 words each :

- |                               |   |
|-------------------------------|---|
| (a) Applied Ethics            | 4 |
| (b) Bhakti Movement           | 4 |
| (c) Impediments of human acts | 4 |
| (d) Conscience                | 4 |
| (e) Euthanasia                | 4 |
| (f) Palliative care           | 4 |
| (g) Consumerism               | 4 |
| (h) Ahimsa                    | 4 |
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम  
(बी.डी.पी. दर्शनशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2014

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र

बी.पी.वाई.-007 : नीतिशास्त्र

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट :

- (i) सभी पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
- (ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
- (iii) प्रश्न सं. 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए ।

1. मानव क्रिया के सन्दर्भ में नियतिवाद और अनियतिवाद के सिद्धान्तों का परीक्षण कीजिए । 20

अथवा

सद्गुण के अर्थ को स्पष्ट कीजिए । अरस्तू के सद्गुण के प्रत्यय की व्याख्या कीजिए । 20

2. जैन दर्शन के नैतिक दृष्टिकोण की विस्तृत व्याख्या कीजिए । 20

अथवा

अधिनीतिशास्त्र को परिभाषित कीजिए । जी.ई. मूर द्वारा व्याख्यायित प्रकृतिवादी दोष का क्या अर्थ है ? 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए :
- (क) नीतिशास्त्र को परिभाषित कीजिए। इसके विभिन्न विभाग कौन-से हैं ? 10
- (ख) “‘चाहिए’ (आदर्श) ‘सकना’ को प्रतिपादित करता है” का नैतिक महत्त्व क्या है ? ऑगस्टीन का इस मत के प्रति क्या विचार है ? 10
- (ग) वैदिक दर्शन नीतिशास्त्र को कैसे प्रदर्शित करता है ? 10
- (घ) रामायण और महाभारत के अनुसार धर्म के प्रत्यय का विवरण दीजिए। 10
4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :
- (क) क्या वर्तमान विश्व में नीतिशास्त्र का अध्ययन महत्त्वपूर्ण है ? 5
- (ख) नैतिकता के सिद्धांत के रूप में ‘निरपेक्ष आदेश’ से कांट का क्या तात्पर्य है ? 5
- (ग) पाइथागोरस के नैतिक विचार क्या हैं ? 5
- (घ) उपयोगिता सिद्धांत की व्याख्या कीजिए। 5
- (ङ) दयानन्द सरस्वती की नैतिक शिक्षाओं का संक्षिप्त विवरण दीजिए। 5
- (च) हिंसा क्या है ? विभिन्न प्रकार की हिंसा का उल्लेख कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

- |                                |   |
|--------------------------------|---|
| (क) अनुप्रयोगात्मक नीतिशास्त्र | 4 |
| (ख) भक्ति आन्दोलन              | 4 |
| (ग) मानव-क्रिया के बाधक तत्त्व | 4 |
| (घ) अन्तःकरण (Conscience)      | 4 |
| (ङ) सुखमृत्यु (दयामृत्यु)      | 4 |
| (च) प्रशामक देखभाल             | 4 |
| (छ) उपभोक्तावाद                | 4 |
| (ज) अहिंसा                     | 4 |
-